[21] No. of printed pages: 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY
B A (I Semester) Examination
2013
Wednesday, 27th November
10.30 am - 1.30 pm
UA01CHLT01 - Paper I
आधुनिक हिन्दी काव्य – रश्मिरथी

कुल अंक: ७०

सूचना: हिन्दी में शिरोरेखा देना अनिवार्य है ।

प्र. १ सप्रसंग व्याख्या कीजिए । (**कोई तीन**) (१५)

(क) पूछो मेरी जाति, शक्ति हो तो, मेरे भुजबल से,
रवि समान दीपित ललाट से और कवच-कुण्डल से,
पढ़ो उसे जो झलक रहा है मुझमें तेज प्रकाश,
मेरे रोम - रोम में अंकित है मेरा इतिहास ।

(ख) मूल जानना बड़ा कठिन है नदियों का वीरों का,
धनुष छोड़कर और गोत्र क्या होता रणधीरों का?
पाते है सम्मान तपोबल से भूतल पर शूर,
'जाति-जाति' का शोर मचाते केवल कायर क्रूर।

(ग) जाओ, जाओ कर्ण ! मुझे बिलकुल असंग हो जाने दो,
बैठ किसी एकान्त कुंज में मन को स्वस्थ बनाने दो ।
भय है, तुम्हें निराश देखकर छाती कहीं न फट जाये,
फिरा न लूँ अभिशाप, पिघलकर वाणी नहीं उलट जाये ।

(घ) 'जाति ! हाय री जाति !' कर्ण का हृदय क्षोभ से डोला,
कुपित सूर्य की ओर देख वह वीर क्रोध से बोला,
जाति - जाति रटते, जिनकी पूँजी केवल पाषंड,
मैं क्या जानूँ जाति ? जाति हैं ये मेरे भुजदंड ।

(ङ) तू दानी, मैं कुटिल प्रवञ्चक, तू पवित्र मैं पापी,
तू देकर भी सुखी और मैं लेकर भी परितापी ।
तू पहुँचा है जहाँ कर्ण, देवत्व न जा सकता है,
इस महान पद को कोई मानव ही पा सकता है।

प्र. २ 'रश्मिरथी' खंडकाव्य का कथानक बताते हुए उसकी विशेषताओं की चर्चा कीजिए । (२०)

अथवा

प्र. २ टिप्पणी लिखिए ।

(अ) 'रश्मिरथी' खंडकाव्य का कर्ण ।

(आ) 'रश्मिरथी' खंडकाव्य का शीर्षक ।

प्र. ३ 'रश्मिरथी' खंडकाव्य युग चेतना का संवाहक काव्य है - चर्चा कीजिए । (२०)

अथवा

प्र. ३ टिप्पणी लिखिए ।

(अ) 'रश्मिरथी' खंडकाव्य की कुंती ।

(आ) 'रश्मिरथी' खंडकाव्य के परशुराम ।

प्र. ४ निम्नलिखित अति लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **(किन्हीं पन्द्रह)** (१५)

१. 'रश्मिरथी' का अर्थ समझाइए ।
२. कर्ण को राधेय क्यों कहा जाता है?
३. द्रोणाचार्य ने एकलव्य का अंगूठा क्यों मांग लिया?
४. परशुराम ने क्या प्रतिज्ञा की थी?
५. परशुराम ने कर्ण को क्या शाप दिया?
६. कर्ण दुर्योधन को अपना मित्र क्यों मानता है?
७. पाण्डव पक्ष में आने के लिए कृष्ण ने कर्ण को क्या कहा?
८. कृष्ण के समझाने पर कर्ण क्या उत्तर देता है?
९. कर्ण दुर्योधन का ऋण किस प्रकार चुकाना चाहता है?
१०. कर्ण को दानवीर क्यों कहा जाता है?
११. सूर्यदेव की चेतावनी के बावजूद भी कर्ण ने क्या किया?
१२. एकघ्नी अस्त्र की क्या विशेषता थी?
१३. कर्ण ने एकघ्नी अस्त्र किस पर चलाया?
१४. कर्ण से निराश होकर अंत में कुंती क्या कहती है?
१५. कर्ण ने कुंती को क्या वचन दिया?
१६. कर्ण की मृत्यु किसके द्वारा हुई थी?
१७. युद्धभूमि पर कर्ण की मृत्यु किस प्रकार होती है?
१८. कर्ण की मृत्यु के बाद कृष्ण युधिष्ठिर को क्या कहते है?

ॐ ॐ ॐ